In the News

Publication: **Nav Bharat Times** | Region: **Mumbai** | Date: **28/12/2017** | Page No.: **09**

आईपीओ व शेयर बाजार की तेजी से इंश्योरेंस इंडस्ट्री को मिला बूस्ट

Sudha.shrimali@timesgroup.com

2017 इंश्योरेंस इंडस्ट्री के लिए अच्छा रहा। नोटबंदी बाद जो ग्रोथ मोमेंटम बना था, उसे आईपीओ और उनकी लिस्टिंग ने और आगे बढ़ाया। जुलाई में जीएसटी लागू होने के बाद फॉर्मल इकॉनमी के बढ़ने से लॉन्ग टर्म में लाइफ इंश्योरेंस इंडस्ट्री को काफी फायदा होने की उम्मीद है। कार्वी वेल्थ रिपोर्ट के अनुसार 2017 में फाइनैंशल असेट 14.63 पर्सेंट बढ़े हैं, वहीं इक्रा के अनुसार अगले फिस्कल में इंडस्ट्री के 15-18 पर्सेंट रेट पर बढ़ने की उम्मीद है।

- शेयर बाजार में तेजी का हुआ फायदा
- इंश्योरेंस कंपनियों की लिस्टिंग
- डिस्कोजर पर ज्यादा फोकस
- नोटबंदी का मिला जबरदस्त फायदा
- इंडस्ट्री की रही डबल डिजिट ग्रोथ

अच्छी ग्रोथ की वजह

IDBI फेडरल लाइफ इंश्योरेंस के सीईओ विघ्नेश सहाने बताते हैं, 'डिजिटल पुश ने इंडस्ट्री को काफी बढ़ाया। आईपीओ इंडस्ट्री के लिए एक नई जर्नी की शुरुआत का कारण बने। इससे पारदर्शिता, जवाबदेही व विजिबिल्टी बढ़ी। हालांकि पूरे साल भर कोई रेग्यूलेटरी रिफॉर्म नहीं हुआ लेकिन जो ट्रांसफोर्मेशन शुरु हुआ, उससे इंडस्ट्री जिस तरह बिजनेस करती है उसमें फंडामेंटल बदलाव आया।'

आईपीओ की बहार

शेयर बाजार के ग्रोथ मोमेंटम व तेजी के माहौल में दो लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों- एसबीआई लाइफ व एचडीएफसी लाइफ ने आईपीओ के जरिए स्टॉक बाजार में दस्तक दी। निवेशकों ने अच्छे प्रमोटर्स व लॉन्ग टर्म बिजनेस को देखते हुए इनके आईपीओ को अच्छा प्रतिसाद दिया व ये ओवरस्क्राइब्ड हुए। आईपीओ के जरिए कैपिटल जुटाने का जरिया इंडस्ट्री को काफी रास आया और निवेशकों ने भी भी अच्छा प्रतिसाद दिया। शेयरहोल्डर्स के लिए एग्जिट होना भी आसान हुआ। इडलावाइज टोक्यो लाइफ इंश्योरेंस के सीआईओ बिस्मिल्लाह चौधरी बताते हैं, 'अगर 2017 में आए सभी आईपीओ के रिटर्न को जोड़ा जाए तो 47 पर्सेंट संपूर्ण रिटर्न होगा। हालांकि ओवरऑल रिटर्न अच्छे आईपीओ लेने व बाद में उसे लंबे समय तक रखने से मिलेगा।'

2018 का आउटलुक

रिलायंस लाइफ इंश्योरेंस के सीईओ आशीष वोहरा कहते हैं, 'कस्टमर्स के बढ़ती जागरूकता के चलते अब इंश्योरेंस प्रॉडक्ट्स लोगों की अलग-अलग जरूरत को सही तरह से पूरा कर रहे हैं। ऐसे में मार्केट लिंक्ड व प्रोटेक्शन दोनों तरह के प्रॉडक्ट की डिमांड रहेगी। डिजिटल टूल्स व टेक्नॉलजी को तेजी से अपना रही इंडस्ट्री के लिए अगला साल भी अच्छा रहने की उम्मीद है।' IDBI फेडरल लाइफ इंश्योरेंस के सीईओ विघ्नेश सहाने ने बताया कि इंश्योरेंस का आधार से लिंकेज से फाइनैंशल सर्विसेज के लिए यूनिफाइड प्लेटफॉर्म तो बना ही साथ ही, केवाईसी से जुड़े घपले व धोखाधड़ी पर भी नकेल कसाने में कामयाबी मिलेगी।